कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री अरविन्द नेताम) : (क) वर्ष 1990–95 में कोई आयात नहीं हुआ। 1991–92 से 1994–95 तक का ब्यौरा इस प्रकार है:–

वर्ष	वाणिज्यिक दुग्ध चूर्ण		आयात बटर आयल		विश्व खाद्य कार्यक्रम बटर आयल		यूरोपीय आर्थिक समुदाय खाद्य सहायता (दुग्ध चूर्ण)	
	मात्रा (मी० टन)	मूल्य (लाख रु० में)	मात्रा (मी० टन)	मूल्य (लाख रु० में)	मात्रा (मी० टन)	मूल्य (लाख रु० में)	मात्रा (मी० टन)	मूल्य (लाख रु० में)
1991-92	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	3004	1669	शून्य	--
1992-93	2502	1493	शून्य	शून्य	2144	1133	1194	4272
1993-94	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	--	3000	1076
1994-95	शून्य	शून्य	4305	3634	शून्य	--	शून्य	--

(ख) और (ग) आपरेशन फ्लड कार्यक्रम के अन्तर्गत यूरोपीय आर्थिक समुदाय से प्राप्त उपहार उपभोज्य वस्तुओं के विक्रय मूल्य का उपयोग परियोजना के क्रियान्वयन के लिये किया जाता है। बटर आयल का विक्रय मूल्य विश्व खाद्य कार्यक्रम को उनके कार्यक्रमों में क्रियान्वित करने के लिये हस्तांतरित कर दिया गया था। वाणिज्यिक आयातों के सकल मूल्य का उपयोग ऐसे आयातों के व्यय के लिये किया जाता है तथा इस प्रकार के खर्चों को पूरा करने के पश्चात अधिशेष का उपयोग राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिये किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित किया जाना

6557. प्रो. राम बख्श सिंह वर्मा : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करने के संबंध में अनुरोध प्राप्त हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या इस अनुरोध पर कोई कार्यवाही की जा चुकी है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) जी, हां। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर ने उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र के लिये प्रस्ताव भेजा है।

(ग) और (घ) जी, हां। प्रशासनिक स्वीकृति मार्च 1993 में जारी की जा चुकी है।

गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन और उनके वितरण में असंतुलन

6558. चौधरी हरमोहन सिंह : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन तथा वितरण में काफी असंतुलन है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरे क्या है ;